

jftLV^h laö Mhö ,yö&33004@99

REGD. NO. D. L.-33004/99

la- 412]

ubZ fnYyh] cq/okj] uoEcj 20] 2019@dkfrZd 29] 1941

No. 412]

NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 20, 2019/KARTIKA 29, 1941

संहिता, 2016 (2016 का 31) का धारा 2 के खंड (ड) और धारा 60 के साथ पठित धारा 196 का उपधारा (1) के खंड (न) तथा धारा 240 का उपधारा (1) के खंड (यद) और (यध) द्वारा 3द4 शि5य6 का उपयोग करते हैं, निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात्: - 1. 2. इन विनियम 6 मज, जब तक क संदभ से अमयथा अपेक्षित न हो, भारतीय दवाला और शोधन अमता बोर्ड (निगमित क्रियण के गित) या भूतदाता के लिए

(1) इन विनियम 6 का सिं? नाम भारतीय दवाला और शोधन अमता बोर्ड (निगमितक्रियण 6 के बं5गत 3CयाभूतदाताE के (2) ये राजपा मज उनके 3काशन का तारीख से 3वृ4 ह6गे ।(3) ये विनियम संहिता के भाग 3 के अधीन निगमित क्रियण 6 के बं5गत 3CयाभूतदाताE के लिए शोधन अमता 3Gया को लागू ह6गे ।(क) कसीलेनदार या शोधन अमता मयासी या शोधन अमता मयासी द्वारा बावसायिक नियोजित के संबंध मज “सहयोगी” का सिं+ नाम, ारंभ और लागूलिए शोधन अमता 3Gया) विनियम, 2019 है । प.रभाषाएं भारतीय दवाला और शोधन अमता बोर्ड 051.—भारतीय दवाला और शोधन अमता बोर्ड, दवाला और शोधन अमता नई दली, 20 नव बर 2019 विनियम, 2019 अधिसूचना

अ(याय-1 ारंभिक

3. शोधन अमता मयासी क4 पा5ता – (क) वह, दवाला बावसायिक इकाई, जिसका वह भागीदार या निदेशक है या उस दवाला बावसायिक इकाई के सभी भागीदार और (ग) “संहिता” से दवाला और शोधन अमता संहिता, 2016 (2016 का 31) अभि3ेत है; (घ) “समित” से धारा 79 का उपधारा (1) मज यथा-प.रभाषित लेनदार 6 का समित अभि3ेत है; (ड) “निगमित ऋणी” से ऐसा निगमित (कारपोरेट) बं5 अभि3ेत है जिसके लिए 3Cयाभूतदाता ने बं5गत 3Cयाभूत दी है; (च) “इलैXYािनक माZYम” से ऐसा ााधिकृत और सुरित संदेश कायGम अभि3ेत है, जो ऐसे सहभागी को, जो ऐसी संसूचना ाा? करने का हकदार है उस अंतिम इलैXYािनक मेल पते पर, जो क ऐसे सहभागी द्वारा दया गया है, संसूचना भेजे जाने का पुंि करने और ऐसी संसूचना का अभिलेख रखने मज सम है; (छ) “3\प” से इन विनियम 6 से संलग् 3\प अभि3ेत है; (ज) “सहभागी” से ऐसा बं5 अभि3ेत है जो समित का बैठक मज भाग लेने का हकदार है और इसके अंतगत लेनदार, शोधन अम, शोधन अमता मयासी और समित द्वारा ऐसी बैठक मज भाग लेनेके लिए ााधिकृत कोई अमय बं5 भी है; (झ) “रिज_Yीकृत मूयांकक” से कंपनी अधिनियम, 2013 (2013 का 18) और उसके अधीन बनाए गए विनियम 6 के अनुसार इस प मज रिज_Yीकृत बं5 अभि3ेत है; (ञ) कारपोरेट ऋणी के संबंध मज “संबं पकार” का वही अथ होगा जो धारा 5 का उपधारा (24) मज उसका है; (ट) “धारा” से संहिता का धारा अभि3ेत है; (ठ) उन शवद 6 और अभि3य 6 को, जो इन विनियम 6 मज 3यु5 ह^ और प.रभाषित नह^ ह^ क मतु संहिता एवं दवाला और शोधन अमता (निगमित ऋणी के बं5गत 3CयाभूतदाताE के लिए शोधन अमता 3Gया के लिए मयायिनणयन ााधिकारी को आवेदन) विनियम, 2019 मज प.रभाषित ह^ वह^ अथ ह6गे जो उनके Gमश: संहिता एवं किथत विनियम मज ह^ ।

(1) कोई दवाला बावसायिक कसी शोधन अमता 3Gया के लिए शोधन अमता मयासी के प मज नियु5 कए जाने का तभीपा होगा यद निदेशक, 3Cयाभूतदाता से वंता है; (ख) बोर्ड या उस दवाला बावसायिक सं_था का, जिसका वह बावसायिक सद_य है, कसी चालू अनुशासनिक कायवाही या अवरोध आदेश के अधीन नह^ है; और (ग) उसी शोधन अमता 3Gया मज कसी अमय पकार का ितिनिधCव नह^ कर रहा है । प_तीकरण – इस उप-विनियम के ियोजन 6 के लिए, - (i) कसी बं5 को 3Cयाभूतदाता से तब वंता समझा जाएगा, यद –

से अभि3ेत है; (i) शोधन अमता मयासी को संदेय फस; (ii) विनियम 5 के उप-विनियम (1), विनियम 6 के उप-विनियम (4), विनियम 10 के उप-विनियम (3) के खंड (ग) के उपखंड (ii) और खंड (च), विनियम 28 के उप-विनियम (3) और विनियम 31 के उप-विनियम (5) मज िनसद_त संदाय और बय; और (iii) ऐसी अमय लागत और बय, िजनका शोधन अमता 3Gया से 3Cयत: संबंध है ।

शोधन अमता मयासी अ(याय 2

‘Hkx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 3

4. शोधन अमता मयासी क4 फ4सिविनिक्त का जाए । अम का संपदा से वसूल का गई रकम और ऐसी वसूली से विवत-रत का गई रकम का ितशतता के प मज फस का हकदार होगा ।(1) कोई शोधन अमता मयासी अपने कतB6, बाZYताE और कृCय 6 का निवहन करने मज अपनी सहायता के लिए लेखाकार, रिज_Yीकृतमूयांकक, अधव5ा या अमय बावसायिक, जो भी आवायक ह6, यु5संगत पार_मिक के लिए नियु5 कर सकेगा और ऐसा पार_मिक शोधन अमता 3Gया लागत का भाग ग-ठत करेगा:

प.रसमापक के प मज काय कया है;

अमता मयासी, कारपोरेट ऋणी या संबंधित शोधन अम के साथ कसी धनीय या बं5गत संबंध का विममानता को उसका जानकारी के तीन दन के भीतर शोधन अमता मयासी को 3कट करेगा ।6. रिज_टर और बिहयांमयासी, शोधन अमता 3Gया ारंभ करने का तारीख से साठ दन के भीतर उMहजपूण और अमतन कराएगा ।संपदा के िशासन के लिए अपेक्षित ह6 ।का बाबत पृथक् लेखा-बिहयां रखेगा और ऐसी बिहयां, यथासंभव शोधन अम द्वारा अपने कारबार के अनुGम मज पहले से रखी गई बिहय 6 के अनुप ह6गी ।रसीद रखेगा ।

5. ावसायिक क4 नियुि

पार_मिक का 3कटन करेगा ।(3) ऐसे दवाला बावसायिक से िभि कोई दवाला बावसायिक, िजसने, यथा_थित, कसी 3Cयाभूतदाता या लेनदार का ओर से धारा 122 या धारा 123 के अधीन आवेदन फाइल कया है, कसी शोधन अमता 3Gया मज शोधन

अमता Mयासी के \प मJ अपनी िनयुि5 से पूव Mयायिणायन 3ािधिकारी को 3\प क मJ िलिखत सहमित देगा ।(2) ऐसा शोधन अमता Mयासी, जो 3Cयाभूितदाता का लेखापरीक रहा था, सिमित को ऐसी लेखापरीक के िलए वषवार 3ा?

(1) शोधन अमता Mयासी ऐसी फ'स का हकदार होगा और फ'स का संदाय ऐसी रीित मJ कया जाएगा, जो सिमित 2ारा (2) उप-िविनयम (1) के अंतगत आने वाले मामल6 से िभि; मामल6 मJ, शोधन अमता Mयासी, अनुसूची 1 के अनुसार, शोधन परमतु िनःिलिखत Bि5य6 को इस िविनयम के अधीन िनयु5 नहए कया जाएगा:- (क) शोधन अमता Mयासी का नातेदार; (ख) ऐसी दवाला Bावसायिक इकाई काभागीदार या िनदेशक िजसका शोधन अमता Mयासी एक भागीदार या िनदेशक है; (ग) ऐसा दवाला Bावसायिक, िजसने कारपोरेट ऋणी का बाबत अंत-रम समाधान Bावसायिक, समाधान Bावसायिक या (घ) शोधन अम का सहयोगी; (ङ) कारपोरेट ऋणी का संबं पकार ।(2) उप-िविनयम (1) के अधीन िनयु5 कया गया या िनयु5 कए जाने के िलए 3_तावित Bावसायिक कसी लेनदार, शोधन

(1) जहां शोधन अमता 3Gया 3ारंभ करने का तारीख को शोधन अम का लेखा-बिहयां अपूण ह^ वहां शोधन अमता (2) शोधन अमता Mयासी ऐसी नकद बही, खाता-बिहयां, रिज_टर और ऐसी अमय बिहयां रखेगा जो क शोधन अम का (3) जहां शोधन अमता Mयासी को शोधन अम के कारबार को चलाने के िलए 3ािधिकृत कया जाता है वहां वह ऐसे कारबार (4) शोधन अमता Mयासी, शोधन अमता 3Gया के संबंध मJ उसके 2ारा कए गए सभी संदाय6या उपगत Bय6 के िलए (क)वह 3Cयाभूितदाता का सहयोगी नहए है; (ख)वह ऐसे कारपोरेट ऋणी का संबं पकार नहए है; (ग)उसने कारपोरेट ऋणी का बाबत अंत-रम समाधान Bावसायिक, समाधान Bावसायिक या प-रसमापक के \प मJ कायनहए कया है या नहीं कर रहा है ;

8. !ारंभिक -रपोटसिमित को 3ारंभिक -रपोट 3_तुत करेगा ।

दायिCव6 का सूची: का बिहयां विपसनीय नहए ह^ तो वह उसे अमयथा उपलतध विा वसनीय अभिलेख6 और डाटा के आधार पर ऐसे आकलन भी देगा; 3_तावित है और 3ािलित लागत;

(4) 3ारंभिक -रपोट शोधन अमता 3Gया के दौरान तब तक गोपनीय होगी जब तक क Mयायिणायक 3ािधिकारी ऐसे िनबंधन6 और शतर के अधीन रहते 8ए, जो वह उचित समझे, कसी Bि5 को उस तक प8ंच के िलए अनुात नहए करता ।9. !शासन का शीD पूरा कया जाना

तो वह Mयायिणायन 3ािधिकारी को शीः उमोचन आदेश करने के िलए आवेदन कर सकेगा ।(1) शोधन अमता Mयासी Mयायिणायन 3ािधिकारी और सिमित को उस ितमाही कासमाि? के पकात् पमुह दन के भीतर 3गित -रपोट 3_तुत करेगा : वह उस ितमाही के िलए 3गित -रपोट उसके 2ारा इस 3कार काय करना बमद कर देने का तारीख से पमुह दन के भीतर फाइल करेगा ।7. शोधन अमता 1यासी @ारा -रपोटा

10. !गित -रपोटा

3ारंभिक -रपोट तैयार करते समय या उसके पकात् कसी समय, यद शोधन अमता Mयासी को ऐसा 3तीत होता है क -

परमतु यद कोई दवाला Bावसायिक शोधन अमता 3Gया के दौरान शोधन अमता Mयासी के \प मJ काय करना बमद कर देता है तो शोधन अमता Mयासी िनःिलिखत -रपोट तैयार करेगा और उमहJ Mयायिणायक 3ािधिकारी और सिमित को 3_तुत करेगा - (क) 3ारंभिक -रपोट; (ख) 3गित -रपोट; और (ग) अंतिम -रपोट ।(1) शोधन अमता Mयासी, शोधन अमता 3Gया 3ारंभ होने का तारीख से नतबे दन के भीतर Mयायिणायन 3ािधिकारी और (2) शोधन अमता Mयासी 3ारंभिक -रपोट का एक 3ित, शोधन अम को -रपोट 3_तुत करने के समय भेजेगा ।(3) 3ारंभिक -रपोट मJ िनःिलिखत तयौरे शािमल ह6गे:- (क) शोधन अमता 3Gया 3ारंभ होने का तारीख को शोधन अम का बिहय6 पर आधा-रत शोधन अम का आ_तय6 और परमतु यद शोधन अमता Mयासी के पास यह विपास करने के कारण ह^, जो क िलिखत मJ लेखबं कए जाएं, क शोधन अम (ख) संपदा के 3शासन के संबंध मJ 3_तावित काय-योजना, िजसके अंतगत वह समय-सीमा भी है िजसमJ उसका कया जाना (ग) शोधन अम का आ_तय6, उसके कारबार या कामकाज का बाबत का जाने वाली कोई अित-र5 जांच; (घ) उन आ_तय6 के तयौरे, िजनका वसूली का जाना आशियत है, िजसके अंतगत िनःिलिखत ह^ - (i) िविनयम 33 के अनुसार मूयांकत आ_तय6 का मूय; (ii) आ_तय6 का वसूली का आशियत रीित और उसके कारण; (iii) वसूली का 3Cयािशत रकम; (iv) ऐसी कोई अमय जानकारी, जो आ_तय6 का वसूली के िलए सुसंगत हो ।(ङ) धारा 155 का उपधारा (2) के अधीन अपवपजत आ_तय6 और अमय आ_तय6 के तयौरे ।

(क) शोधन अम का वसूलनीय आ_तयां शोधन अमता 3Gया का लागत को पूरा करने के िलए अपया? ह^, और(ख) शोधन अम के कामकाज मJ आगे अमवेषण करना अपेित नहए है,

!Hkkx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 5

(2) शोधन अमता Mयासी उप-िविनयम (1) के अधीन -रपोट 3_तुत करते समय शोधन अम को 3गित -रपोट का एक 3ित भेजेगा ।(3) 3गित -रपोट के अंतगत िनःिलिखत ह6गे - (क) Bावसायिक6 का िनयुि5, िनयुि5 का अविध और िनयुि5 समा? होना; (ख) शोधन अमता 3Gया मJ 3गित उपदपशत करने वाला कथन, िजसमJ िनःिलिखत शािमल ह6गे -

(ग) आ_त विवय -रपोट, िजसमJ वसूल का गई आ_तय6 के िनःिलिखत तयौरे ह6 -

(घ) शोधन अमता Mयासी को देय और उसके 2ारा 3ा? फ'स और पा-रहमिक के तयौरे तथा उसके 2ारा कए गए Gयाकलाप6 का वणन; (ङ) शोधन अमता Mयासी 2ारा िनयु5 Bावसायिक6 को संद4 फ'स और पा-रहमिक के तयौरे तथा उनके 2ारा कए गए Gयाकलाप6 का वणन ; (च) शोधन अमता Mयासी 2ारा शोधन अमता 3Gया के संबंध मJ उपगत अमय Bय; (छ) शोधन अम 2ारा या उसके विवxc कसी तािCवक मुकदमेबाजी का 3ाि_थित; (ज) धारा 160 और धारा 162 के अधीन दुभर संपि4य6 या पयाधृत िहत6 या धारा 164, धारा 165 और धारा 167 के अधीन कितपय संभवहार6 का दावाCयाग फाइल कया जाना और उसके संबंध मJ गितिविधयां; (झ) शोधन अमता Mयासी 2ारा रखे गए खाते, िजनमJ -रपोट का अविध के दौरान 3ाि?यां और संदाय तथा शोधन अमता 3Gया 3ारंभ

होने का तारीख से संचयी 30 दिनों और कए गए संदाय दशक कए गए ह6; और (ज) शोधन अमता 3Gया का कोई अमय सुसंगत पहलू 14 (4) विवर्णीय वष का चौथी तिमाही का 3 गित -रपोट के साथ विवर्णीय वष मा शोधन अम का 30 दिनों और संदाय6 के संपरीक्षित लेखे संलग्न ह6गे। (5) 3 गित -रपोट, शोधन अमता 3Gया के दौरान तब तक गोपनीय ह6गी जब तक मयायिनणायन 30 अधिकारी कसी B5 को विविधता निबंधन और शत के आधार पर उन तक पश्च अनुसृत नह करता । (i) लाभांश और अंत-रम लाभांश का विवरण; (ii) कसी आगत के लिए 3Cयांशित वसूली मा कोई तात्त्विक प-रवतन और ऐसे प-रवतन के लिए आधार; (iii) शोधन अम का आगत या दायित्व के मूल मा कोई तात्त्विक प-रवतन और ऐसे प-रवतन के लिए आधार; (iv) शोधन अमता 3Gया का 30 अंशित लागत मा कोई तात्त्विक प-रवतन और ऐसे प-रवतन के लिए आधार; (v) बेची न गई संपि4 का लेनदार6 मा विवरण; (vi) ऐसी कसी संपि4 के द्यौरे, जिसका वसूली बकाया है; (vii) लेनदार6 का सूची; और (viii) अमय कोई सुसंगत जानकारी । (i) वसूल कया गया मूल; (ii) वसूली का लागत; (iii) वसूली का रीति और ढंग, जिसमा अनुसूची 2 के अनुसार द्यौरे दए गए ह6; (iv) 30 अंशिक -रपोट मा उल्लिखित मूल का तुलना मा वसूलनीय मूल मा कसी कमी के लिए कारण; (v) उन B5य6 के द्यौरे जिनके प मा संपि4 का वसूली का गई है ।

जहां कोई दवाला बावसायिक तारीख 13 फरवरी, 2020 को शोधनअमता मयासी बनता है और वह तारीख 12 फरवरी, 2021 को इस प मा काय करना बमद कर देता है तो वह निःलिखित प मा 3 गित -रपोट 3 तुत करेगा: -रपोट सं. 1 2 3 4 5 वह अपनी 30 दिनों और संदाय6 के संपरीक्षित लेखे निःलिखित प मा 3 तुत करेगा- लेखा सं. 1 2

(1) अंतिम -रपोट मा शोधन अम का संपदा का 3शासन और विवरण पूरा होने का एक लेखा होगा, जिसके अंतगत निःलिखित भी है -

सिहत । (2) शोधन अमता मयासी अंतिम -रपोट, धारा 138 का उपधारा (1) के अधीन आवेदन सहित मयायिनणायन 30 अधिकारी केसम फाइल करेगा । 12. सहयोग !दान करने वाले नि (1) शोधन अमता मयासी को शोधन अमता 3Gया पूरी करने मा निःलिखित B5 सभी 3कार का सहायता और सहयोग 3दान करेगा - 11. अंतिम -रपोट(क) शोधन अम का आगत या वसूली करने का रीति; (ख) लेनदार6 के बीच लाभांश का विवरण करने का रीति; (ग) शोधन अम के उममोचन के संबंध मा द्यौरे; (घ) अदावाकृत लाभांश, यद कोई है; (ङ) अधिशेष लाभांश, यद कोई है; और (च) यद शोधन अमता 3Gया का लागत 30 अंशिक -रपोट मा उपबंधित 30 अंशित लागत से अधिक है, तो उसके कारण

(क) शोधन अम; (ख) शोधन अम के लेनदार; (ग) शोधन अम के कमचारी और कमकार; (घ) शोधन अम के भागीदार; (ङ) शोधन अम के लेखापरीक; (च) इन विनियम6 के अधीन शोधन अमता मयासी 20 आ विनियु कए गए बावसायिक;

तिमाही के अंतगत आने वाली अविध 13 फरवरी से 31 मार्च, 2020 अ3ैल-जून, 2020 जुलाई-सितंबर, 2020 अ5ूबर-दसंबर, 2020 जनवरी-12 फरवरी, 2021 तिमाही के अंतगत आने वाली अविध 13 फरवरी - 31 मार्च, 2021 अ3ैल, 2019 - 12 फरवरी, 2021 द्वांति-रपोट 3 तुत करने का अंतिम तारीख 15 अ3ैल, 2020 15 जुलाई, 2020 15 अ5ूबर, 2020 15 जनवरी, 2021 27 फरवरी, 2021 -रपोट 3 तुत करने का अंतिम तारीख 15 अ3ैल, 2020 27 फरवरी, 2021

'Hkx III [k.M 4'

Hkxj dk jkti=k % vlk/kj.k 7

(2) शोधन अमता मयासी ऐसे कसी परामश को, जो उसने उप-विनियम (1) मा उल्लिखित B5य6 के साथ कया है, अभिलिखित करेगा और उसे बनाए रखेगा । (3) जहां शोधन अमता मयासी यु5यु5 3य करने के पक्षात् उप-विनियम (1) के अधीन B5य6 से जानकारी या सहयोग अभि30 करने मा असफल रहता है वहां वह मयायिनणायन 30 अधिकारी को ऐसे समुचित निदेश6 के लिए, जो शोधन अमता 3Gया के संचालन के लिए आवायक ह6, आवेदन कर सकेगा । शोधन अमता मयासी, शोधन अमता 3Gया, जिसके अंतगत शोधन अम का संपदा का 3शासन भी है, से संबंधित रिज टर6, बिहय6, -रपोट, बैठक6 के कायवृ46 और अमय अभिलेख का, एक भौतिक या इलेक्ट्रॉनिक 3ति संपदा का 3शासन पूरा होने के पक्षात् उस अभिलेख 3तिधारण अनुसूची के अनुसार प-ररित रखेगा, जो बोड 20 आ दवाला बावसायिक संथा के परामश से संसूचित का जाए । 14. भावी दावे (1) ऐसा B5, जो उसी रीति मा विवरण का हकदार है जैसे का कोई अमय लेनदार है, ऐसा दावा जो क शोधन अमता 3Gया 30 अंश होने का तारीख को को देय और संदेय नह है, शोधन अमता मयासी को 3 तुत कर सकता है । (2) तत्त्विक कसी संविदा के अधीन रहते हए, उप-विनियम (1) के अधीन B5 मूल रकम और शोधन अमता 3Gया 30 अंश होने का तारीख तक 30 भूत दयाज का हकदार होगा । 15. पर30 अमय लिखता जहां कोई B5 कसी विनियम पा, वचनपा या अमय पर30 अमय लिखत या इसी 3कार का ऐसी 3तिभूति का बाबत, जिसके लिए शोधन अम दायी है, दावा साबित करने का ईसा करता है, वहां दावे के साथ उसका 3माणित सत्य 3तिलिप संलग्न का जाएगी । 16. आविधक संदाय कराया, दयाज और आविधक 3कृति के ऐसे कसी संदाय6 का दशा मा, कोई B5 शोधन अमता 3Gया 30 अंश होने का तारीख तक देय और असंद4 कसी रकम का ही दावा कर सकेगा । जहां कसी दावेदार 20 आ दावाकृत रकम कसी कारण से निकत नह है वहां शोधन अमता मयासी अपने पास उपलब्ध जानकारी पर आधारित दावे का रकम का सव4म आकलन करेगा । 18. विदेशी मुा मा ऋणिवदेशी मुा मा अंकत दाव6 को शोधन अमता 3Gया 30 अंश होने का तारीख को उचित शासकय विनियम दर पर भारतीय मुा मा मयूयंकत कया जाएगा । पीकरण - इस विनियम के 3योजन6 के लिए, "शासकय विनियम दर" से भारतीय -रजव बका 20 आ 3कांशित निदश दर या ऐसी निदश दर से बुटपा दर अभि30 है । 19. लेनदार को देय ऋण का अंतरण (1) जहां कोई लेनदार, शोधन अमता 3Gया का अविध के दौरान ऋण को कसी अमय B5 को समनुदेशित या अंत-रत करता है वहां दोन6 पकार शोधन अमता मयासी को ऐसे समनुदेशन या अंतरण के निबंधन और समनुदेशित या अंत-रती का पहचान और द्यौरे दगे । (2) शोधन अमता मयासी, 3Cयेक लेनदार और मयायिनणायक 30 अधिकारी को सिमित मा कसी पारणात्मिक प-रवतन को ऐसे प-रवतन के दो दन6 के भीतर अधिसूचित करेगा । 13. अभिलेख का प.रण

17. दावे क4 मा5ा का अवधारण

(छ) शोधन अम के समाधान Bावसायिक या पूर्ववत् शोधन अमता Mयासी; (ज) कारपोरेट ऋणी का बाबत अंत-रम समाधान Bावसायिक, समाधान Bावसायिक और प-रसमापक; (झ) ऐसा कोई Bि5, जिसका शोधन अम का कसी संपि4 पर कतज्ञा है; और (ञ) शोधन अमता 3Gया से संस5 या सुसंगत कोई अमय Bि5 ।

अ(याय 3दावे

(1) शोधन अमता Mयासी धारा 132 माJ उल्लिखित समय-सीमा के भीतर लेनदार6 का एक सूची तैयार करेगा, जिसमाJ 3Cयेक लेनदार का बाबत िनःिलिखत ढयैरे अंतपवा ह6गे,-

(2) शोधन अमता Mयासी, धारा 134 का उपधारा (1) के अधीन लेनदार6 का बैठक से तीन दन के भीतर Mयायिनणायक 3ाधिकारी को सिमित का थापना के बारे माJ-रपोट करेगा ।(3) शोधन अमता Mयासी, यद अपेित हो तो धारा 171 के अधीन 3ा? सबूत के आधार पर लेनदार6 का सूची और सिमित माJ उपांतरण करेगा । (4) लेनदार6 का सूची और उप-िविनयम (3) माJ उल्लिखित सिमित माJ कसी उपांतरण को ऋण के सबूत6 का 3ा? का अंतिम तारीख से पMह दन के भीतर अमय लेनदार6 को सूचित करते 8ए Mयायिनणायन 3ाधिकारी के सम फाइल कया जाएगा ।(5) उप-िविनयम (3) के अधीन लेनदार6 का सूची माJ कसी उपांतरण से सिमित का कसी बैठक माJ ऐसे उपांतरण से पूव िलए गए िनणय का िविधमाMयता पर 3ितकूल 3भाव नहए पड़ेगा ।(6) समय-समय पर यथा-उपांतर-रत और Mयायिनणायक 3ाधिकारी के सम फाइल का गई लेनदार6 का सूची –

21. बैठक क4 सूचनावाले लेनदार6 2ारा अनुरोध करने पर बैठक बुलाएगा ।शोधन अमता Mयासी को उपलढ कराया गया है ।घंटे से कम का नहए होगी ।

के संबंध माJ उमहJ उपलढ िवकप6 का सूचना दी जाएगी ।

20. लेनदार क4 सिमित

मतदान करने; (5) बैठक का सूचना माJ कायसूची होगी, जिसमाJ

िनःिलिखत शािमल होगा – (क) नाम; (ख) कए गए दावे का रकम; (ग)

वीकृत कए गए दावे का रकम; (घ) दाव6 का बाबत 3ितभूित िहत,

यद कोई है; और (ङ) दावे को अवीकार या वीकार करने के कारण ।

(क) उन Bि5य6 2ारा, जिMह6ने सबूत सहित दावे 3तुत कए हए, िनरीण के िलए उपलढ होगी ; (ख) शोधन अम के भागीदार6 और3Cयाभूित-दाताE 2ारा िनरीण के िलए उपलढ होगी; (ग) शोधन अम का वेबसाइट पर, यद कोई है, 3दपशत का जाएगी ।

(1) शोधन अमता Mयासी, जब भी वह आवायक समझे, सिमित का बैठक बुला सकेगा और कम से कम ततीस 3ितशत मूय

(2) इस िविनयम के अधीन और धारा 133 के अधीन बैठक का सूचना 3Cयेक सहभागी को उस पते पर तामील का जाएगी जो

(3) सिमित का कोई बैठक ऐसी सूचना देकर, जो सिमित 2ारा िविनित का जाए, बुलाई जाएगी बशतः ऐसी सूचना

अड़तालीस (4) लेनदार6 का बैठक बुलाने वाली सूचना माJ, सहभागिय6 को बैठक के थान, समय, तारीख का और -

(क) उन िवषय6 का सूची, िजिन पर बैठक माJ िवचार-िवमश कया जाना है;

(i) सहभागीय6 को, या तो Bि5गत प से, वीडियो कांJ, संग के माZयम से या 3ॉXसी के माZयम से बैठक माJ भाग लेने;

और (ii) ऋणयो को, यथािथित, Bि5गत प से, 3ॉXसी के माZयम से या इलैXYािनिक माZयम6, या इलैXYािनिक 3ॉXसी से

सिमित क4 बैठक और मतदानअ(याय 4

'Hkx IIIµ[k.M 4°

Hkxj dk jkti=k % vlk/kj.k 9

सुसंगत द तावेज माJ –

आई.डी. और ढयैरे ह6गे; और 22. कोरम अमयथािविनित न कया हो, बैठक अगले दन उसी समय और थान के िलए थित हो जाएगी और उस दन कोरम आवायक नहीं होगा । थगन माJ भाग लेगा ।23. बैठक का संचालनकांJ, संग के माZयम से भाग लेने वाले सहभागी भी हए, अभिलेख के िलए िनःिलिखत कथन करगए –

उपिथत हए और इस बात का पुि करेगा क अपेित कोरम पूरा है ।अपो शोधन अमता Mयासी 2ारा का गई हो, शोधन अमता Mयासी का अनुा के िबना प8ंच का अनुा नहए दी जाएगी ।बैठक के अड़तालीस घंटे के भीतर इलैXYािनिक माZयम6 2ारा सम त सहभागिय6 को प-रचालित कराए जाएं ।24. मतदान अंश

(6) यद सहभागिय6 को वीडियो कांJ, संग के माZयम से बैठक माJ भाग लेने का िवकप उपलढ कराया जाता है तो बैठक का सूचना

(7) यद लेनदार6 को इलैXYािनिक माZयम6 2ारा मतदान करने का िवकप उपलढ कराया जाता है तो बैठक का सूचना माJ – (ख) उन मु6 का सूची जिसके संबंध माJ बैठक माJ मतदान होना है; (ग) उन िवषय6 के संबंध माJ, िजिन पर िवचार-िवमश कया जाना है और उन मु6 के संबंध माJ, िजिन पर मतदान कया जाना है,

(क) बैठक माJ भाग लेने का 3Gया और रीित का वणन होगा; (ख) बैठक माJ सुरित रीित से प8ंच के िलए पासवड बनाने के िलए सुविधा के लागिन आई.डी. और ढयैरे ह6गे; और (ग) उस Bि5 के संपक ढयैरे ह6गे, जो क वीडियो कांJ, संग से संबं शंकाE का िनवारण करेगा ।(क) ऐसे माZयम6 2ारा मतदान करने का 3Gया और रीित का वणन होगा; (ख) सुरित रीित माJ मतदान करने के िलए इलैXYािनिक माZयम6 तक प8ंच के िलए पासवड बनाने के िलए सुविधा के लागिन(ग) उस Bि5 के संपक ढयैरे ह6गे, जो क इलैXYािनिक माZयम6 से संबं शंकाE का िनवारण करेगा ।(1) जहां

सिमित का कोई बैठक कोरम का कमी के कारण आयोजित नहए का जा सका हो वहां जब तक क लेनदार6 ने इससे पूव (2) शोधन अम उस बैठक म, िजसम शोधन अमता मयासी, सूचना देकर, उससे भाग लेने का अपा करे और उसके कसी (1) शोधन अमता मयासी सिमित का बैठक का अयता करेगा; (2) बैठक के 3ारंभ म, शोधन अमता मयासी उपि_थित लेगा तब 3Cयेक सहभागी, िजसके अंतगत 3ॉXसी 2ारा या वीडिय6 (क) अपना नाम; (ख) वह हैसियत, िजसम वह भाग ले रहा है; (ग) वह लेनदार, िजसका वह 3ितनिधव कर रहा है; और (घ) उसने कायसूची और बैठक के िलए सुसंगत सम_त साम_ी 3ा? कर ली है ।(3) शोधन अमता मयासी, उपि_थित लेने के प_ात् सहभागिय6 को उन सभी Bि5य6 के नाम सूचित करेगा जो बैठक के िलए (4) शोधन अमता मयासी यह सुनि_क्त करेगा क अपे_ित कोरम संपूण बैठक म पूरा रहा ।(5) बैठक 3ारंभ होने से उसका समा_ितक, सहभागिय6 से ि_भी कोई Bि5 और ऐसा कोई अमय Bि5 िजसका उपि_थित का (6) शोधन अमता मयासी यह सुनि_क्त करेगा क लेनदार6 का 3Cयेक बैठक के संबंध म कायवृ4 तैयार कए जाएं और उ5 (1) धारा 135 के अधीन रहते 8ए, 3Cयेक लेनदार का मतदान अंश ऐसे लेनदार को देय ऋण के अनुपात म होगा ।

हित को 3व_तत कराने का िवकप अपनाया है। ऋण का रकम के अनुपात म होगा ।उपि_थित लेनदार6 का मत लेगा ।गई मद6 पर कसने प म मतदान कया या कसने िवप म मतदान कया या कौन-कौन मतदान से अनुपि_थित रहा, ह6गे ।

3_तिशत से अधिक का अनुमोदन अपे_ित होगा ।के प_ात्, मद6 के संबंध म िलए गए िविन_क्य को उन लेनदार6 के नाम6 सहित अभिलिखत करेगा, िजमह6ने प म मतदान कया है, िवप म मतदान कया है या जो मतदान से अनुपि_थित रहे ह_। समा? होने के चौबीस घंटे के भीतर प-रचालित करेगा ।26. !ॉOसी @ारा मतदान(1) ऐसा लेनदार, जो मत करने का हकदार है, अपनी ओर से भाग लेने और मतदान करने के िलए कसी Bि5 को, जो शोधन अमता मयासी का सहयोगी नहए होगा, 3ॉXसी के प म िनयु5 करने का हकदार होगा ।(2) लेनदार, उप-िविनयम (1) के 3योजनाथ, सिमित का बैठक से कम से कम चौबीस घंटे पूव शोधन अमता मयासी को सयक् प से संपूरत 3प ख प-रद4 करेगा ।(3) 3ॉXसी, लेनदार का ओर से इलैXY_िनक माZYम6 2ारा मतदान कर सकेगा।

(1) शोधन अमता मयासी शोधन अम का आ_तय6 का िव_गय साधारणतया अनुसूची 2 के भाग क म िविन_सद_ नीलामी के माZYम से करेगा । (2) शोधन अमता मयासी आ_तय6 का िव_गय अनुसूची 2 के भाग ख म िविन_सद_ री_ित म 3ाइवेत िव_गय 2ारा कर सकेगा, यद -

(3) िन:िलिखत Bि5 मयायिनणायक 3_ाधिकारी के अनु_ा के िबना शोधन अमका संपि4 म कसी हित का 3Cयत: या अ3Cयत: _य या अजन नहए कर_गे -

25. सिमित @ारा मतदान

27. िव_य क4 प_ित

(1) शोधन अमता मयासी मतदान के िलए सूचीब_ कसी मद के संबंध म, उस पर िवचार-िवमश करने के प_ात् बैठक म (2) शोधन अमता मयासी, बैठक का समा_ि? पर बैठक का कायवृ4 तैयार करेगा, िजसम लेनदार6 के नाम, बैठक म मतदान कराई (3) शोधन अमता मयासी- (क) बैठक के समा? होने के अड़तालीस घंटे के भीतर बैठक के सभी सहभागिय6 को इलैXY_िनक माZYम से बैठक का कायवृ4 प-रचालित करेगा, और(ख) ऐसे लेनदार6 से, जो बैठक म उपि_थित नहए थे या िजमह6ने बैठक म मतदान नहए कया था, मतदान के िलए सूचीब_ का गई मद6 पर इलैXY_िनक माZYम 2ारा मतदान करने का ई_सा करेगा, जहां मतदान खंड (क) के अनुसार कायवृ4 के प-रचालन से कम से कम चौबीस घंटे के िलए खुला रखा जाएगा । (4) जब तक सिंहिता म अमयथा उपबं_धित न हो, सिमित के 3Cयेक िविन_क्य के िलए लेनदार6 के, िजमह6ने मतदान कया है, पचास (5) शोधन अमता मयासी, मतदान अविध के अंत म, बैठक म और इलैXY_िनक माZYम6 2ारा कए गए मतदान पर िवचार करने (6) शोधन अमता मयासी उप-िविनयम (5) के अधीन तैयार कए गए अभिलेख का एक 3_ित सभी सहभागिय6 को मतदान के (2) 3Cयाभूत लेनदार का मतदान अंश ऋण के अ3Cयाभूत भाग, यद कोई है, के अनुपात म होगा, यद उसने उसके 3Cयाभूत (3) ऐसे 3Cयाभूत लेनदार का मतदान अंश, िजसने अपने 3Cयाभूत हित का प-र_याग करने का िवकप अपनाया है, प-र_य5

(क) आ_त नाशवान 3_ृ_ित का है; (ख) यद िव_गय म िवलंब कया जाता है तो आ_त के मूय म मह_वपूण प से य होने का संभावना है; या (ग) आ_त का िव_गय क_मत असफल नीलामी का आरित क_मत से उ_तर है ।

आ_तय क4 वसूलीअ(याय 5

'Hkx IIIμ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

11

एक भागीदार या िनदेशक है;

(4) शोधन अमता मयासी ऐसा कोई िव_गय नहए करेगा यद उसके पास यह िव_ास करने का कारण है क िन:िलिखत Bि5य6 म से कसी एक या अधिक Bि5य6 के बीच दुरिभसं_िध है -

और मयायिनणायक 3_ाधिकारी को समुचित आदेश6 के िलए -रपोट 3_तुत करेगा ।(1) धारा 150 का उपधारा (2) के अधीन शोधन अम 2ारा सूचना दए जाने के प_ात् वह मयायिनणायक 3_ाधिकारी का पूव अनु_ा के िबना अपनी आय म 8ई कसी वृ_िक का प-र_याग नहए करेगा या अप_त कसी संपि4 का Bयन नहए करेगा ।(2) यद शोधन अम धारा 150 का उपधारा (2) के अधीन सूचना देने से पूव संपि4 का Bयन करता है तो वह ऐसे Bयन से सात दन के भीतर शोधन अमता मयासी को उस Bि5 के सुसंगत त_पौर 3कट करेगा िजसे संपि4 अंत-रत का गई है और ऐसी कोई अमय जानकारी भी देगा जो शोधन अमता मयासी को संपि4 का पता लगाने और शोधन अमता संपदा के 3योजनाथ उसका वसूली करने म समथन बनाने के िलए आवायक हो ।(3) शोधन अमता मयासी 2ारा कसी रकम को वापस लाने या उप-िविनयम (2) म िन_सद_ संपि4 का हक अप_त करने के िलए उपगत कोई Bय शोधन अमता 3_या का लागत का भाग ग-ठत करेगा ।29. दुभर संपि_ का दावा"याग(1) शोधन अमता मयासी शोधन अम और दुभर संपि4 म हितब_ Bि5य6को धारा

160 क' उपधारा (1) के अधीन दावाCयाग क' सूचना क' तामील करने से कम से कम सात दन पूव 3 तावित दावाCयाग क' बाबत अधिसूचित करेगा ।(2) उप-विनयम (1) के अधीन अधिसूचना मJ संपि4 का दावाCयाग करने संबंधी शोधन अमता Mयासी का आशय, दावाCयाग के िलए आशियत संपि4 क' विविशियां और ऐसी संपि4 मJ िहतबC Bऱि5य6 के तयैरे अंतपवा हगे ।(3) धारा 160 क' उपधारा (1) के अधीन सूचना उसमJ उलिखत Bऱि5य6 को ऐसी सूचना देने के तीन दन के भीतर Mयायिनणायक 3ाधिकारी के सम फाइल क' जाएगी ।(4) धारा 163 क' उपधारा (1) के अधीन आवेदन, आवेदक के दावाCयाग के बारे मJ अवगत होने या धारा 160 क' उपधारा (1) के अधीन दावाCयाग क' सूचना क' तारीख से, इनमJ से जो भी पूवतर हो, तीस दन के भीतर कया जाएगा ।पीकरण – इस िविनयम के 3योजनाथ, दुभर संपि4 मJ िहतबC कसी Bऱि5 से अभ3ेत है – 28. शोधन अम @ारा बाद मा अरजत क4 गई संपि4 का अजन, आद ।

(घ) ऐसी कोई कंपनी, िजसमJ शोधन अम या कोई लेनदार सं3वतक या िनदेशक है। (क) शोधन अमता Mयासी या उस दवाला Bावसायिक इकाई का कोई भागीदार या िनदेशक िजसका शोधन अमता Mयासी (ख) शोधन अमता Mयासी 2ारा शोधन अमता 3Gया के िलए िनयु5 कोई Bावसायिक; (ग) कोई लेनदार या शोधन अम का कोई सहयोगी; और

(क) Gेता; (ख) शोधन अम; (ग) लेनदार; (घ) शोधन अम या लेनदार6 के सहयोगी; (ङ) कारपोरेट ऋणी; या (च) कारपोरेट ऋणी का संबC पकार,

(क) ऐसा कोई Bऱि5, जो दावाCयाग क' गई संपि4 मJ कसी िहत का दावा करता है; (ख) ऐसा कोई Bऱि5, जो दुभर संपि4 क' बाबत कसी दायिCव के अधीन है; या (ग) जहां दावाCयाग क' गई संपि4 एक िनवास-गृह है वहां ऐसा कोई Bऱि5, जो आवेदन फाइल करने क' तारीख को उस िनवास-गृह का अधिभोग कर रहा है या अधिभोग करने का हकदार है ।

(1) शोधन अमता Mयासी उन आ_तय6 का मूयांकन करने के िलए, जो शोधन अम क' संपदा का भाग ग-ठत कर सकती ह^ या नहC कर सकती ह^, जब उसका यह राय हो क ऐसा करना आवायक है या जब सिमित 2ारा उस आशय का कोई संकप पा-रत कर दया गया है, एक रिज_Yीकृत मूयांकक िनयु5 करेगा ।(2) उप-विनयम (1) के अधीन िनयु5 रिज_Yीकृत मूयांकक शोधन अम क' आ_तय6 का भौतिक सCयापन करने के पkात् शोधन अमता Mयासी को अंतररा_ीय ष से _वीकृत मूयांकन मानक6 के अनुसार संगिणत आ_तय6 के वसूलनीय मूय के आकलन 3_तुत करेगा । (3) शोधन अमता Mयासी शोधन अम क' आ_तय6 के मूयांकन के िलए एक अित-र5 रिज_Yीकृत मूयांकक िनयु5 कर सकेगा, यद मामले क' प-रि_थितय6 मJ अपेित हो, जो उप-विनयम (2) के अनुसार अपना आकलन_वता ष से 3_तुत करेगा ।(4) उप-विनयम (3) के अधीन कोई अित-र5 रिज_Yीकृत मूयांकक िनयु5 कए जाने क' दशा मJ, दोन6 मूयांकक6 से 3ा? आकलन6 के औसत को आ_तय6 का मूय समझा जाएगा । (1) ऐसा 3ितभूत लेनदार, जो अपनी 3ितभूित क' वसूली क' ईसा करता है, शोधन अमता Mयासी को वह कमत सूचित करेगा िजस पर उसका 3ितभूत आ_त क' वसूली करने का 3_ताव है । (2) शोधन अमता Mयासी ऐसे Gेता क' पहचान करने का 3य~ करेगा जो 3ितभूित को उप िविनयम (1) मे सूचित कमत सेउ_ कमत पर खरीदने को तैयार हो और वह अित उस Gेता को, यद उपलब्ध हो, उस उ_ कमत पर वि_य करेगा ।(3) जहां 3ितभूित क' वसूली उप-विनयम (2) के अधीन क गयी है, ऐसे Gेता क' पहचान करने क' लागत , शोधन अमता 3Gया लागत मे आएगी । (4) यद शोधन अमता Mयासी उप-विनयम (2) के अधीन कसी Gेता क' पहचान नहC करता है या इस 3कार अभिलित Bऱि5 3ितभूत आ_त का Gय नहC करता है तो 3ितभूत लेनदार 3ितभूत आ_त क' वसूली उस रीित मJ कर सकेगा, जो वह उचित समझे कमतु कम से कम उप-विनयम (1) के अधीन सूचित कमत पर और वह Gेता क' पहचान करने क' लागत वहन करेगा ।(5) यद 3ितभूित क' वसूली उप-विनयम (4) के बाहर क जाती है तो Gेता क' पहचान करने क' लागत शोधन अमता 3Gया क' लागत का भाग ग-ठत करेगी ।

(1) शोधन अमता Mयासी शोधन अम को देय सभी धनरािशय6 क' 3ा? के िलए कसी अनुसूचित ब^क मJ शोधन अम के नाम मJ एक ब^क खाता खोलेगा, िजसके बाद “शोधन अमता 3Gया मJ” शब्द हगे ।(2) शोधन अमता Mयासी, उप-विनयम (1) के अधीन खोले गए ब^क खाते मJ सभी धनरािशयां, िजसके अंतगत शोधन अम के शोधन अमता Mयासी के ष मJ उसके 2ारा 3ा? चेक और मांगदेय_ा_ट भी ह^, जमा करेगा और 3Cयेक दन क' वसूलिय6 को अगले काय दवस के अपkात् कोई कटौती कए िबना ब^क खाते मJ जमा कर दया जाएगा ।(3) शोधन अमता Mयासी, शोधन अमता 3Gया क' लागत को पूरा करने के िलए दस हज़ार या ऐसी उ_तर रकम क', जो Mयायिनणायन 3ाधिकारी 2ारा अनु_ात क' जाए, नकदी रखेगा ।(4) शोधन अमता Mयासी 2ारा खाते मे से पांच हजार xपए से अधिक के सभी संदाय आह-रत चेक 2ारा या ब^क खाते मJ से आनलाइन ब^कंग संBवहार6 2ारा कए जाएंगे ।33. मृत लेनदार के दावेदार को लाभांश का िवतरण(1) यद कसी मृत लेनदार के दावेदार या वा-रस 2ारा ऐसे मृत लेनदार को संदेय लाभांश 3ा? करने के िलए कोई आवेदन कया जाता है तो शोधन अमता Mयासी लाभांश 3ा? करने संबंधी दावेदार के अधिकार और हक के बारे मJ अपना समाधान करेगा और ऐसे अधिकार या हक के संबंध मJ सा_य क' मांग कर सकेगा ।(2) शोधन अमता Mयासी, उप-विनयम (1) के अनुसार दावे क' सCयता के बारे मJ संतुा हो जाने पर ऐसे लाभांश का संदाय करने या दावेदार को लौटाने क' मंजूरी के िलए Mयायिनणायन 3ाधिकारी को आवेदन कर सकेगा ।

30. आ_तय का मूययांकन

31. ितिभूित िहत क4 वसूली

32. शोधन अमता !&या के िलए ब^क खाताशोधन अमता !&या के आगम और आगमो का िवतरणअ(याय 6

'Hkxx IIIµ[k.M 4°

Hkxjr dk jkti=k % vlk/kj.k

13

34. लाभांश का िवतरण(1) शोधन अमता Mयासी, धारा 174 और धारा 178 के उपबंध6 के अधीन रहते 8ए, लाभांश का िवतरण तब तक आरंभ नहC करेगा जब तक क Mयायिनणायक 3ाधिकारी के सम 3ारंभिक -रपोट फाइल नहC कर दी जाती है ।(2) इस िविनयम के अधीन कसी लाभांश का िवतरण करनेसे पूव शोधन अमता 3Gया क' लागत क' कटौती क' जाएगी ।कोई लेनदार उसके 2ारा

वितरण मज 3ा? क' गई ऐसी कसी रकम को, जिसका वह वितरण के समय या उसके बाद हकदार नह था, तुरंत लौटा देगा। 36. शोधन अमता या अवतरत आतय के अदावाकृत आगम(1) शोधन अमता मयासी, विनयम 11 के अधीन अंतिम -रपोट फाइल करने के पकॉत, इस 3कार फाइल करने का तारीख से तीन दन के भीतर शोधन अमता 3Gया के कसी अदावाकृत लाभांश या अवतरत आत या लेनदार6 को संदेय कोई अमय अतिशेष रकम, जो उसके पास रह गई हो, संहिता के अधीन ग-ठत दवाला और शोधन अमता निध मज जमा करने के आदेश के लिए मयायिनणायन 3ाधिकारी को आवेदन करेगा। (2) शोधन अमता मयासी, ऐसी कसी शाित पर 3ितकूल 3भाव डाले बिना, जो बोड 2ारा अधिरोपित का जाए, उप-विनयम (1) के अधीन उसके 2ारा 3ितधा-रत रकम पर बारह 3ितशत वापक दर पर तयाज का संदाय करने का दायी होगा, यद वह – असफल रहता है। (3) शोधन अमता मयासी, उप-विनयम

(1) मज िनसदर रकम को जमा करते समय बोड को िनःलिखत उपवणत करते 8ए एक विवरणी देगा –

(4) शोधन अमता मयासी, उप-विनयम (2) के अधीन उसके 2ारा जमा का गई कसी रकम के लिए बोड से रसीद का हकदार होगा और ऐसी रसीद उसके 2ारा जमा कराने का सबूत होगा। (5) ऐसा Bि5, जो दवाला और शोधन अमता निध मज संद4 का गई कसी रकम का हकदार होने का दावा करता है, दावा का गई रकम के संदाय के लिए आदेश करने के लिए बोड को आवेदन कर सकेगा। (6) बोड, यद उसका यह समाधान हो जाता है क उप-विनयम (5) मज िनसदर Bि5 दावा का गई संपूण रकम या उसके कसी भाग का हकदार है, उस Bि5 से ऐसी 3ितभूित लेने के पकॉत, जो वह उचित समझे, उसे देय रकम का उस Bि5 को संदाय करने का आदेश कर सकेगा। (7) उप-विनयम (1) के अधीन दवाला और शोधन अमता निध मज संद4 कोई ऐसी रकम, जो पमुह वष का अविध तक अदावाकृत रहती है, दवाला और शोधन अमता निध के 3योजन6 के लिए उपयोग मज लाए जाने योग्य होगी। शोधन अम को, शोधन अमता 3Gया के संदभ मे, ऐसी Bि5य6 2ारा जिमहयथाथित, बोड या केमुीय सरकार 2ारा मामयता दी जाए, ऋण परामश दया जा सकता है।

35. रकम क4 वापसी

37. ऋण परामश

[भारतीय दवाला और शोधन अमता बोड (निगमित क्रिणय" के ि%गत &याभूितदाता) के लिए शोधन अमता &या) विनयम,

(क) फाइल कए जाने का तारीख से तीन दन के भीतर मयायिनणायन 3ाधिकारी को आवेदन करने मज; (ख) मयायिनणायन 3ाधिकारी के आदेश का तारीख से तीन दन के भीतर निध मज जमा करने मज,

(क) अदावाकृत लाभांश या अवतरत आत या कसी अमय अतिशेष के हकदार लेनदार6 के नाम और उसका अंतिम सात पता; (ख) 3Cयेक लेनदार के लिए (क) के अधीन अदावाकृत लाभांश या कसी अमय अतिशेष का रकम; (ग) अवतरत आतय6 का मूय।

शोधन अमता मयासी के Yप मा काय करने क4 लिखत सहमित 2019 के विनयम 3(3) के अधीन! Yप क

[तारीख]

सेवा मज मयायिनणायन 3ाधिकारी (पीठ का नाम) 3ेषक [दवाला Bावसायिक का नाम] [दवाला Bावसायिक का रिज_Yीकरण संयांक] [बोड के पास रिज_Yीकृत दवाला Bावसायिक का पता] 1. म^ (नाम) (दवाला Bावसायिक संथा का नाम) मज नामांकत और बोड के पास रिज_Yीकृत दवाला Bावसायिक यह उलेख करता णंक मुझे (शोधन अम का नाम) का शोधन अमता 3Gया के लिए शोधन अमता मयासी के प मज िनयु5 करने का 3ताव है 12. म^, भारतीय दवाला और शोधन अमता बोड (निगमित क्रिणय" के ि%गत &याभूितदाता) के लिए शोधन अमता &या) विनयम, 2019 के विनयम 3(3) के अनुसरण मज 3तावित िनयुि5 के संबंध मज अपनी सहमित देता णं 13.

&या) विनयम, 2019 के विनयम 3 और संहिता और विनयम6 के अमय लागू उपबंध6 के अधीन शोधन अम के शोधन अमता मयासी के प मज िनयु5 कए जाने का पा णं के लिए आचार-संहिता के अनुसार 3कटन कांगा। Gम सं. 1 2

4 5 6 तारीख: थान:

(दवाला Bावसायिक

के हतार) शोधन अमता मयासी के Yप मा काय करने क4

लिखत सहमित।

भूमिका का वपअंत-रम समाधान Bावसायिक

का समाधान Bावसायिक

का प-रसमापक शोधन अमता मयासी 3ाधिकृत 3ितिनिध कोई अमय (कृपया वणन करज)

म^ िनःलिखत प मज घोषणा और 3ितसान करता णं:- (क) म^ बोड के पास दवाला Bावसायिक के प मज

रिज_Yीकृत णं। (ख) म^ बोड या दवाला Bावसायिक संथा 2ारा आरंभ का गई कसी अनुशासनिक कायवाही के

अZयधीन नह णं। (ग) म^ शोधन अमता मयासी के प मज काय करने के लिए कसी िनःश5ता से त नह णं। (घ) म^

भारतीय दवाला और शोधन अमता बोड (निगमित क्रिणय" के ि%गत &याभूितदाता) के लिए शोधन अमता (ड) म^

भारतीय दवाला और शोधन अमता बोड (दवाला Bावसायिक) विनयमन, 2016 मज उपवणत दवाला Bावसायिक (च)

मेरे पास िनःलिखत 3Gयाएं 3चालन मज हः

क. कारपोरेट क्रिणय6ख. Bि5गत 3CयाभूितदाताE या Bािय6 या भागीदारी फमक. समापन 3Gयाख. वैिछक

समापन 3Gया

सहमित का तारीख को 3GयाE का संया

रिज_Yीकरण सं.....

शोधन अम का पूरा नाम – [शोधन अमता 3Gया के िलए मामले का नाम/आवेदन संंयांक अंतः_थापित करJ] लेनदार का पूरा नाम पता पहचान संंयांकईमेल म^ (लेनदार का नाम अंतः_थापित करJ) शोधन अम के ऋण मJ (मतदान अंश क' 3तितशतता अंतः_थापित करJ) धारण करने के कारण, िनःिलिखत को – 1

या उसके न हो सकने पर 2

सिमित क' (बैठक क' तारीख और समय अंतः_थापित करJ) को...(बैठक का _थान अंतः_थापित करJ) पर होने वाली बैठक मJ और उसके कसी _थगन मJ मेरी ओर से उपि_थत होने और नीचे यथा-सूचीबं बैठक क' सूचना मJ उपदPशत िवषय6 क' बाबत (सूचना केदयौरे दJ) मेरी ओर से मतदान करने के िलए अपने 3ॉXसी के \प मJ िनयु5 करता ं – (कायसूची मJ सूचीबं िवषय अंतः_थापित करJ)----- (तारीख, मास और वर्ष अंतः_थापित करJ) को इस पर ह_तार कए ।लेनदार के ह_तार3ॉXसी के ह_तार [भारतीय दवाला और शोधन अमता बोड (निगमित ऋणय" के \$ि%गत &याभूित-दाता) के िलएशोधन अमता &+या) िविनयम,

पूरा नाम पता पहचान

संंयांकईमेल ह_तारपूरा नाम पता

पहचान संंयांकईमेल ह_तार

वतमानआ

धार सं.

वतमानआधार सं.

वतमानआधार सं.

पैन

पैन

2019के िविनयम 26(2) के अधीन]

पैन

!ॉOसी िनयु करने का !Yप

_थायी

_थायी

_थायी

सी.आई.एन.

सी.आई.एन.

सी.आई.एन.

!Yप ख

कारबार

कारबार

कारबार

जी.एस.टी.आई.एन.

जी.एस.टी.आई.एन.

जी.एस.टी.आई.एन.

(1) जहां कसी आ_त का िवGय नीलामी के माZयम से कया जाना है वहां शोधन अमता Mयासी उसमJ िविनSदT रीित मJ ऐसा करेगा । (2) शोधन अमता Mयासी आ_त के िवGय के िलए िलिखत मJ एक िवGय रणनीित तैयार करेगा और यद आवायक हो तो िवपणन Bावसाियक6 क' सहायता ले सकेगा, जो Mयायिनणायक 3ािधकारी को िविनयम 10 के अधीन 3गित -रपोट के साथ 3_तुत क' जाएगी ।(3) िवपणन रणनीित के अंतगत िनःिलिखत शािमल हो सकेगा –

वसूली क' रकम (xपय6 मJ) (घटा शोधन अमता 3Gया लागत) 3थम 25 लाख परअगले 50 लाख पर अगले एक करोड़ पर अगले 9 करोड़ पर अगले 40 करोड़ पर अगले 50 करोड़ पर वसूल क' गई अित-र5 धनरािशय6 परिवतरण क' रकम (xपय6 मJ) 3थम 50 लाख परअगले 75 लाख पर अगले एक करोड़ पर अगले 9 करोड़ पर अगले 40 करोड़ पर अगले 50 करोड़ पर वसूल क' गई अित-र5 धनरािशय6 पर

(क) आ_त क' नीलामी के िलए िवsापन जारी करना; (ख) आ_त के िलए सूचना पा तैयार करना; (ग) िवGय क' सूचना तैयार करना; और (घ) अभकता से संपक करना ।

शोधन अमता 1यासी क4 फ4सवसूल क'

गई रकम पर फ'स क' 3तितशतता 3थम छह मास मJ

िवत-रत क' गई रकम पर फ'स क'

3तितशतता

िविनयम 4(2) के अधीन]

[िविनयम 27 के अधीन]

10.00

भाग क –

नीलामी विवय

क4 पकित

5.00 3.75 1.25

3.75 2.50 1.25

0.63 2.50 0.25

5.00 1.88 0.13

7.5

अनुसूची 1

अनुसूची 2 अगले तीन मास मज 7.50 5.00 3.75 2.80 1.88 0.94 0.19

3.75 3.00 1.88 1.40 0.94 0.48 0.10 अगले तीन मास मज 5.00

3.75 2.50 1.88 1.25 0.68 0.13 3.00 1.88 1.25 0.94 0.63 0.34 0.06

उसके पकित 3.75 2.80 1.88 1.41 0.94

0.51 0.10 1.88 1.41 0.94 0.71 0.47 0.25 0.05

Hkx III[k.M 4°

Hkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

17

(4) शोधन अमता मयासी विवय के निबंधन और शत तैयार करेगा, निजके अंतगत, आरित कमत, अिम धन जमा, बोली-पूव अहता और पूरा संदाय करने के लिए समय अविध ह। (5) आरित कमत विनियम 30 के अनुसार निकाला गया अित का मूय होगा और ऐसा मूयांकन छह मास से अधिक पुराना नह होगा : नीलामियां करने के लिए ऐसी आरित कमत को घटाकर ऐसे मूय के पचहदर अितशत तक कर सकेगा: के अनुमोदन से कमत को और घटाया जा सकेगा। (6) शोधन अमता मयासी हितबे गेता 2ारा सयक् तपरता के संचालन के लिए कोई सहायता, यद आवायक हो, दान करेगा। (7) शोधन अमता मयासी अितय 6 का विवय कसी आनलाइन पोटल पर या बोड 2ारा अभिहत कसी पोटल पर (यद कोई है) इलै XYािनक नीलामी के मायम से करेगा, जहां हितबे गेता आनलाइन रिज् टर कर सकता है, बोली लगा सकता है और अपनी बोली क वीकृित क पुित 3ा? कर सकता है। (8) शोधन अमता मयासी अितय 6 का विवय मयायिनणायक 3ाधिकारी क पूव अनुा से भौतिक नीलामी 2ारा कर सकता है, यद उसका यह राय हो क इससे अितय 6 के विवय से अधिकतम वसूली होगी और यह लेनदार 6 के सव 4म हित मज है। (9) शोधन अमता मयासी ऐसे अपहत बावसायिक नीलामीकता क सेवाएं ले सकेगा, जिमह अितय 6 का नीलामी करने मज विशिता 3ा? है, बशत ऐसा नीलामीकता विनियम 5 मज दी गई अपो पूरी करता हो। (10) नीलामी पारदश होगी और जब तक शोधन अमता मयासी ने मयायिनणायक 3ाधिकारी से बोली क कमत क दायमानता के संबंध मज अमयथा अनुात करते 8ए अनुा 3ा? न क हो, कसी विशित समय पर उतम बोली अमय बोलीकता क दायमान होगी। (11) शोधन अमता मयासी, यद अपेित हो, अितय 6 के विवय से अधिकतम वसूली करने और लेनदार 6 के सव 4म हित 6 का संवधन करने क दित से नीलामिय 6 के कई दौर चला सकेगा। (12) नीलामी क समाि? पर, उतम बोलीकता को संदाय सारणी संसूचित क जाएगी। पूरी रकम का संदाय कर दए जाने पर, शोधन अमता मयासी विवय का निपादन करेगा और अित को विवय के निबंधन 6 मज विनसद रीित मज अंत-रत कर दया जाएगा। (1) जहां कसी अित का विवय 3ाइवेट विवय के मायम से कया जाना है वहां शोधन अमता मयासी इसमज विनसद रीित मज विवय का संचालन करेगा। (2) शोधन अमता मयासी, 3ाइवेट विवय 2ारा बेची जाने वाली अितय 6 के लिए हितबे गेता तक प8ंच के लिए लिखत मज एक विवय रणनीित तैयार करेगा, जो क विनियम 10 के अधीन अगित -रपोट के साथ मयायिनणायक 3ाधिकारी को 3 तुत क जाएगी। (3) 3ाइवेट विवय का संचालन संभावित गेता या उसके अभिकता से सीधे संपक करके, खुदरा दुकान 6 के मायम से या कसी अमय मायम से कया जाएगा, जिससे अितय 6 के विवय से अधिकतम वसूली होनी क संभावना हो।

INSOLVENCY AND BANKRUPTCY BOARD OF INDIA (BANKRUPTCY PROCESS FOR PERSONAL GUARANTORS TO CORPORATE DEBTORS) REGULATIONS, 2019

परम तु ऐसी कमत पर नीलामी के असफल होने क दशा मज, शोधन अमता मयासी, सिमित से परामश करके, पकावत परम तु यह और क कमत को घटाकर पचहदर अितशत तक करने के बावजूद कसी नीलामी के असफल होने क दशा मज, सिमित

No. IBBI/2019-20/GN/REG051.—In exercise of the powers conferred by clause (t) of sub-section (1) of

भाग ख- 3ाइवेट विवय

[विापन III/4/असा./299/19] डॉ. एम. एस. सा, अय

section 196, and clauses (zr) and (zs) of sub-section (1) of section 240 read with clause (e) of section 2 and section 60 of the Insolvency and Bankruptcy Code, 2016 (31 of 2016), the Insolvency and Bankruptcy Board of India hereby makes the following regulations, namely -

CHAPTER I PRELIMINARY

1.Short title, commencement and application.

(1)These regulations may be called the Insolvency and Bankruptcy Board of India (Bankruptcy Process for Personal Guarantors to Corporate Debtors) Regulations, 2019.

(2)They shall come into force from the 1st day of December, 2019.

(3)These regulations shall apply to the bankruptcy process for personal guarantors to corporate debtors.

2. Definitions.

In these regulations, unless the context otherwise requires, -

- (a) “associate” in relation to a creditor, a bankruptcy trustee or professionals appointed by the bankruptcy trustee shall have the same meaning as assigned to it in relation to a debtor in sub-section (2) of section 79, as may be applicable; (b) “bankruptcy process costs” shall mean -
- (i) the fees payable to the bankruptcy trustee;
 - (ii) payments and expenses referred to in sub-regulation (1) of regulation 5, sub-regulation (4) of regulation 6, sub-clause (ii) of clause (c) and clause (f) of sub-regulation (3) of regulation 10, sub-regulation (3) of regulation 28, and sub-regulation (3) of regulation 31;
 - (iii) such other costs and expenses directly relatable to the bankruptcy process, to the extent approved or ratified by the committee;
- (c) “Code” means the Insolvency and Bankruptcy Code, 2016 (31 of 2016);
- (d) “committee” means the committee of creditors as defined in sub-section (11) of section 79;
- (e) “corporate debtor” means a corporate person for whom the guarantor has given a personal guarantee;
- (f) “electronic means” means an authorised and secured computer programme which is capable of producing confirmation of sending communication to the participant entitled to receive such communication at the last electronic mail address provided by such participant and keeping record of such communication;
- (g) “form” means a form appended to these regulations;
- (h) “participant” means a person entitled to attend a meeting of the committee and includes a creditor, , bankrupt, bankruptcy trustee, and any other person authorised by the committee to attend such meeting;
- (i) “registered valuer” means a person registered as such in accordance with the Companies Act, 2013 (18 of 2013) and the rules made thereunder;
- (j) “related party” in relation to a corporate debtor shall have the meaning assigned to it in sub-section (24) of section 5; (k) “section” means a section of the Code;
- (l) words and expressions used and not defined in these regulations, but defined in the Code and the Insolvency and Bankruptcy (Application to Adjudicating Authority for Bankruptcy Process for Personal Guarantors to Corporate Debtors) Rules, 2019, shall have the respective meanings assigned to them in the Code and in the said rules.

CHAPTER II **BANKRUPTCY TRUSTEE**

3. Eligibility of bankruptcy trustee.

- (1) An insolvency professional shall be eligible to be appointed as a bankruptcy trustee for a bankruptcy process, if- (a) he, the insolvency professional entity of which he is a partner or a director, and all the partners and directors of the said insolvency professional entity are independent of the guarantor;
- (b) he is not subject to any ongoing disciplinary proceeding or a restraint order of the Board or of the insolvency professional agency of which he is a professional member; and
- (c) the insolvency professional entity of which he is a partner or a director, or any other partner or director of such insolvency professional entity does not represent any party in the bankruptcy process.

1Hkkx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

19

Explanation. - For the purposes of this sub-regulation, a person shall be considered independent of the guarantor, if he- (a) is not an associate of the guarantor;

(b) is not a related party of the corporate debtor; and

(c) has not acted or is not acting as interim resolution professional, resolution professional or liquidator in respect of the corporate debtor.

(2) A bankruptcy trustee, who has been an auditor of the guarantor at any time during the preceding three years, shall make a disclosure of remuneration received, year-wise for such audit, to the committee.

(3) An insolvency professional, other than who has filed an application under section 122 or 123 on behalf of a guarantor or a creditor, as the case may be, shall provide a written consent in Form A to the Adjudicating Authority before his appointment as bankruptcy trustee in a bankruptcy process.

4. Fees of bankruptcy trustee.

(1) The bankruptcy trustee shall be entitled to such fee and the fee shall be paid in such manner as decided by the committee.

(2) In all cases other than those covered under sub-regulation (1), the bankruptcy trustee shall be entitled to a fee as a percentage of the amount realised from the estate of the bankrupt and of the amount distributed from such realisation, in accordance with Schedule I.

5. Appointment of professionals.

(1) A bankruptcy trustee may appoint accountants, registered valuers, advocates or other professionals, as may be necessary, to assist him in the discharge of his duties, obligations and functions for a reasonable remuneration and such remuneration shall form part of the bankruptcy process cost:

Provided that the following persons shall not be appointed under this regulation, namely-

- (a) a relative of the bankruptcy trustee;
- (b) a partner or director of the insolvency professional entity of which the bankruptcy trustee is a partner or director; (c) an insolvency professional who has acted or is acting as an interim resolution professional, a resolution professional or a liquidator in respect of the corporate debtor;
- (d) an associate of the bankrupt;
- (e) a related party of the corporate debtor.

(2) Before appointing a professional under sub-regulation (1), the bankruptcy trustee shall obtain a disclosure of details of the existence of any pecuniary or personal relationship with any of the creditors, the bankruptcy trustee, the corporate debtor or the bankrupt, from the professional.

6. Registers and books.

(1) Where the books of account of the bankrupt are incomplete on the bankruptcy commencement date, the bankruptcy trustee shall get them completed and brought up-to-date within sixty days of the bankruptcy commencement date. (2) The bankruptcy trustee shall maintain cash book, ledgers, registers and such other books, as may be required for the administration of the estate of the bankrupt.

(3) Where the bankruptcy trustee is authorised to carry on the business of the bankrupt, he shall keep separate books of account in respect of such business and such books shall, as far as possible, be in conformity with the books already kept by the bankrupt in the course of its business.

(4) The bankruptcy trustee shall keep receipts for all payments made or expenses incurred by him in relation to the bankruptcy process.

7. Reports by bankruptcy trustee.

The bankruptcy trustee shall prepare and submit the following reports to the Adjudicating Authority and the committee -

- (a) a preliminary report;
- (b) progress reports; and
- (c) a final report.

8. Preliminary report.

(1) The bankruptcy trustee shall submit a preliminary report to the Adjudicating Authority and the committee within ninety days of the bankruptcy commencement date.

(2) The bankruptcy trustee shall send a copy of the preliminary report to the bankrupt at the time of submission of the report.

(3) The preliminary report shall include the following details-

(a) a list of the assets and liabilities of the bankrupt as on the bankruptcy commencement date based on the books of the bankrupt:

Provided that if the bankruptcy trustee has reasons to believe, to be recorded in writing, that the books of the bankrupt are not reliable, he shall also provide such estimates based on reliable records and data otherwise available to him.

(b) the proposed plan of action in relation to administration of the estate, including the timeline in which it is proposed to be carried out and the estimated costs;

(c) any further inquiry to be made in respect of the assets, business or affairs of the bankrupt;

(d) details of the assets which are intended to be realised, including the following-

- (i) value of the assets, valued in accordance with regulation 33;
- (ii) intended manner of realisation of the assets and reasons thereof;
- (iii) expected amount of realisation;
- (iv) any other information that may be relevant for the realisation of the assets.

(e) details of the excluded assets and other assets under sub-section (2) of section 155.

(4) The preliminary report shall be confidential during the bankruptcy process, unless the Adjudicating Authority permits any person to access it subject to such terms and conditions, as it may consider appropriate.

9. Early completion of administration.

At the time of the preparation of the preliminary report or any time thereafter, if it appears to the bankruptcy trustee that -

- (a) the realisable assets of the bankrupt are insufficient to cover the costs of bankruptcy process; and

(b) the affairs of the bankrupt do not require further investigation, he may apply to the Adjudicating Authority for an early discharge order.

10. Progress reports.

(1) The bankruptcy trustee shall submit progress reports to the Adjudicating Authority and to the committee within fifteen days after the end of every quarter:

Provided that if an insolvency professional ceases to act as a bankruptcy trustee during the bankruptcy process, he shall file a progress report for the quarter up to the date of his so ceasing to act, within fifteen days of such cessation. (2) The bankruptcy trustee shall send a copy of the progress report to the bankrupt at the time of submission of the report under sub-regulation (1).

(3) The progress report shall include-

(a) appointment, tenure of appointment and cessation of appointment of professionals;

(b) a statement indicating the progress in the bankruptcy process containing-

(i) distribution of dividend and interim dividend;

(ii) any material change in the expected realisation for any asset and basis for such change;

(iii) any material change in the value of assets or liabilities of the bankrupt and basis for such change; (iv)

any material change on estimated cost of bankruptcy process and basis for such change; (v) distribution of unsold property made to the creditors;

(vi) details of any property that remains to be realised;

1Hkkx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

21

(vii) list of creditors; and

(viii) any other relevant information.

(c) an asset sale report with the following details of the assets realised-

(i) realised value;

(ii) cost of realisation;

(iii) manner and mode of realisation, including details as per Schedule II;

(iv) reasons for any reduction in the realisable value compared to the value mentioned in the preliminary report; and

(v) details of the persons in favour of whom the property has been realised.

(d) details of fee and remuneration due to and received by the bankruptcy trustee along with a description of the activities carried out by him;

(e) details of the fee and remuneration paid to professionals appointed by the bankruptcy trustee along with a description of activities carried out by them;

(f) other expenses incurred by the bankruptcy trustee in relation to the bankruptcy process;

(g) status of any material litigation by or against the bankrupt;

(h) filing of and developments in relation to disclaimer of onerous properties or leasehold interests under sections 160 and 162, or transactions under sections 164, 165 and 167.

(i) accounts maintained by the bankruptcy trustee showing the receipts and payments made during the period of the report, as well as cumulative receipts and payments made since the bankruptcy commencement date; and

(j) any other relevant aspect of the bankruptcy process.

(4) The progress report for the fourth quarter of the financial year shall enclose audited accounts of the receipts and payments of the bankrupt for the financial year.

(5) The progress reports shall be confidential during the bankruptcy process, unless the Adjudicating Authority permits any person to access it on specified terms and conditions.

Illustration

Where an insolvency professional becomes a bankruptcy trustee on 13th February, 2020 and ceases to act as such on 12th February, 2021, he shall submit progress reports as under:

Report No.	Period covered in the Quarter	Last Date of Submission of Report 1
13th February - 31st March, 2020	15th April, 2020 2	April - June, 2020 15th July, 2020
3 July - September, 2020	15th October, 2020	
4		
October - December, 2020	15th January, 2021 5	January - 12th February, 2021
27th February, 2021		

He shall submit the audited accounts of receipts and payments as under:

Account No.	Period covered in the Quarter	Last Date of Submission of Report 1
13th February - 31st March, 2020	15th April, 2020	
2	1st April, 2019 - 12th February, 2021	27th February, 2021

11. Final report.

- (1) The final report shall contain an account of the completion of the administration and distribution of the estate of the bankrupt, including -
- (a) manner of realisation of the assets of the bankrupt;
 - (b) manner of distribution of the dividends amongst the creditors;
 - (c) details regarding the discharge of the bankrupt;
 - (d) unclaimed dividend, if any;
 - (e) surplus dividend, if any; and
 - (f) if the bankruptcy process cost exceeds the estimated cost provided in the preliminary report, along with reasons for the same.
- (2) The bankruptcy trustee shall file the final report with the Adjudicating Authority along with the application under sub-section (1) of section 138.

12. Persons to extend cooperation.

- (1) The following persons shall extend all assistance and cooperation to the bankruptcy trustee to complete the bankruptcy process-
- (a) the bankrupt;
 - (b) creditors of the bankrupt;
 - (c) employees and workmen of the bankrupt;
 - (d) partners of the bankrupt;
 - (e) auditors of the bankrupt;
 - (f) professionals appointed by the bankruptcy trustee under these regulations;
 - (g) the resolution professional or the previous bankruptcy trustee of the bankrupt;
 - (h) the interim resolution professional, the resolution professional and the liquidator in respect of the corporate debtor;
 - (i) any person who has possession of any of the properties of the bankrupt; and
 - (j) any other person connected or relevant to the bankruptcy process.
- (2) The bankruptcy trustee shall record and maintain the particulars of any consultation he had with the persons mentioned in sub-regulation (1).
- (3) Where the bankruptcy trustee after making reasonable efforts fails to obtain the information or cooperation from persons under sub-regulation (1), he may make an application to the Adjudicating Authority for appropriate directions as may be necessary for the conduct of the bankruptcy process.

13. Preservation of records.

The bankruptcy trustee shall preserve a physical or electronic copy of the registers, books, reports, minutes of meetings and other records relating to bankruptcy process, including administration of estate of the bankrupt as per the record retention schedule as may be communicated by the Board in consultation with insolvency professional agencies.

CHAPTER III CLAIMS 14.

Future claims.

- (1) A person, who is entitled to distribution in the same manner as any other creditor, may submit a claim, which is not due and payable on the bankruptcy commencement date, to the bankruptcy trustee.
- (2) Subject to any contract to the contrary, the person under sub-regulation (1) shall be entitled to the principal amount and the interest that has accrued till the bankruptcy commencement date.

15. Negotiable instruments.

Where a person seeks to prove a claim in respect of a bill of exchange, promissory note or other negotiable instrument or security of a like nature for which the bankrupt is liable, a certified true copy of the same shall accompany the claim. **16. Periodical payments.**

In the case of rent, interest and such other payments of a periodical nature, a person may claim only for any amounts due and unpaid up to the bankruptcy commencement date.

1Hkkx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

23

17. Determination of quantum of claim.

Where the amount claimed by a claimant is not precise due to any reason, the bankruptcy trustee shall make the best estimate of the amount of the claim based on the information available with him.

18. Debt in foreign currency.

The claims denominated in foreign currency shall be valued in Indian currency at the official exchange rate as on the bankruptcy commencement date.

Explanation. – For the purposes of this regulation, “official exchange rate” means the reference rate published by the Reserve Bank of India or derived from such reference rate.

19. Transfer of debt due to creditors.

(1) Where a creditor assigns or transfers the debt to any person during the bankruptcy process period, both parties shall provide the bankruptcy trustee the terms of such assignment or transfer, and the identity and details of the assignee or transferee.

(2) The bankruptcy trustee shall notify each creditor and the Adjudicating Authority of any resultant change in the committee within two days of such change.

20. Committee of creditors.

(1) The bankruptcy trustee shall prepare a list of creditors, within the timeline mentioned in section 132, containing the following details in respect of each creditor, –

- (a) the name;
- (b) the amount of claim made;
- (c) the amount of claim admitted;
- (d) security interest in respect of the claims, if any; and
- (e) reasons for rejection or admission of claim.

(2) The bankruptcy trustee shall report the establishment of the committee to the Adjudicating Authority within three days from the meeting of the creditors under sub-section (1) of section 134.

(3) The bankruptcy trustee shall modify the list of creditors and the composition of the committee, if required, on the basis of the proof received under section 171.

(4) The list of creditors, and any modification to the committee, mentioned in sub-regulation (3) shall be filed with the Adjudicating Authority within fifteen days from the last date for receipt of proofs of debt, under intimation to other creditors.

(5) Any modification in the list of creditors under sub-regulation (3) shall not affect the validity of any decision taken in any meeting of the committee prior to such modification.

(6) The list of creditors, as modified from time to time and filed with the Adjudicating Authority, shall be –

- (a) available for inspection by the persons who submitted claims with proof;
- (b) available for inspection by partners and guarantors of the bankrupt;
- (c) displayed on the website, if any, of the bankrupt.

CHAPTER IV

MEETINGS OF COMMITTEE AND VOTING

21. Notice for meeting.

(1) A bankruptcy trustee may convene a meeting of the committee as and when he considers necessary and shall convene a meeting on a request by creditors having not less than thirty three percent of voting share.

(2) The notice under this regulation and for the meeting under section 133 shall be served on every participant at the address provided to the bankruptcy trustee.

(3) A meeting of the committee shall be convened by giving a notice of seven days or such other notice as decided by the committee, provided that such notice shall not be less than forty-eight hours.

(4) The notice convening the meeting of creditors shall inform the participants of the venue, the time, the date of the meeting and of the options available to -

- (i) participants to attend the meeting either in person, through video conferencing, or through a proxy; and
- (ii) creditors to cast vote in person, through a proxy, by electronic means or by electronic proxy, as the case may be.

(5) The notice of the meeting shall carry the agenda, which shall include the following-

- (a) list of matters to be discussed;
- (b) list of issues to be voted upon;
- (c) relevant documents in relation to the matters to be discussed and issues to be voted upon.

(6) If an option to attend the meeting through video conferencing is made available to the participants, the notice of the meeting shall -

- (a) state the process and the manner for attending the meeting;
- (b) provide the login ID and the details of a facility for generating password for access to the meeting in a secure manner; and
- (c) provide contact details of the person who shall address the queries connected with the video conferencing.

(7) If an option to cast vote by electronic means is made available to the creditors, the notice of the meeting shall -

- (a) state the process and the manner of casting vote by such means;
- (b) provide the login ID and the details of a facility for generating password for access to the electronic means for casting vote in a secure manner; and
- (c) provide contact details of the person who shall address the queries connected with the electronic means.

22. Quorum.

- (1) Where a meeting of committee could not be held for want of quorum, unless the committee has previously decided otherwise, the meeting shall automatically stand adjourned to the same time and place on the next day and on that day, no quorum shall be required.
- (2) The bankrupt shall attend a meeting which the bankruptcy trustee may, by notice, require him to attend and any adjournment thereof.

23. Conduct of meeting.

- (1) The bankruptcy trustee shall preside over the meetings of the committee.
- (2) At the commencement of a meeting, the bankruptcy trustee shall take a roll call, when every participant, including those attending by proxy or through video conferencing, shall state, for the record, the following -
 - (a) his name;
 - (b) the capacity in which he is attending;
 - (c) the creditor he is representing, if applicable; and
 - (d) that he has received the agenda and all the relevant material for the meeting.
- (3) After the roll call, the bankruptcy trustee shall inform the participants of the names of all persons who are present for the meeting and confirm if the required quorum is complete.
- (4) The bankruptcy trustee shall ensure that the required quorum is present throughout the meeting.
- (5) From the commencement of the meeting till its conclusion, no person, other than the participants and any other person whose presence is required by the bankruptcy trustee, shall be allowed access to the meeting, without the permission of the bankruptcy trustee.
- (6) The bankruptcy trustee shall ensure that minutes are made in relation to each meeting of the creditors and are circulated to all participants by electronic means within forty-eight hours of the said meeting.

24. Voting share.

- (1) Subject to section 135, the voting share of each creditor shall be in proportion to the debt owed to such creditor.
Hkkx IIIµ[k.M 4° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 25
- (2) The voting share of a secured creditor shall be in proportion to unsecured part of the debt, if any, if it has opted to enforce its security interest.
- (3) The voting share of a secured creditor who has opted to relinquish its security interest shall be in proportion to the amount of debt relinquished.

25. Voting by the committee.

- (1) The bankruptcy trustee shall take a vote of the creditors present in the meeting on any item listed for voting, after discussion on the same.
- (2) At the conclusion of the meeting, the bankruptcy trustee shall prepare minutes of the meeting, including the names of creditors, who voted for, against or abstained from voting on the items put to vote in the meeting.

- (3) The bankruptcy trustee shall-
- (a) circulate the minutes of the meeting by electronic means to all participants of the meeting within forty-eight hours of the conclusion of the meeting, and
 - (b) seek a vote on the items listed for voting in the meeting from the creditors who were not present in the meeting or did not vote at the meeting, by electronic means, where the voting shall be kept open for at least twenty-four hours from the circulation of the minutes as per clause (a).
- (4) Unless otherwise provided in the Code, any decision of the committee shall require approval of more than fifty percent of voting share of the creditors who voted.
- (5) At the end of the voting period, the bankruptcy trustee shall record the decision arrived at on the items along with the names of creditors who voted for, against or abstained from voting on the items, after considering the voting at the meeting and through the electronic means.
- (6) The bankruptcy trustee shall circulate a copy of the record made under sub-regulation (5) to all participants within twenty-four hours of the conclusion of the voting.

26. Voting by proxy.

- (1) A creditor, who is entitled to vote, shall be entitled to appoint an individual as a proxy, who shall not be an associate of the bankrupt, to attend and vote on behalf.
- (2) For the purpose of sub-regulation (1), a creditor shall deliver Form B, duly completed to the bankruptcy trustee at least twenty-four hours prior to the meeting of committee.
- (3) A proxy may vote by electronic means on behalf of the creditor.

CHAPTER V

REALISATION OF ASSETS

27. Mode of sale.

- (1) The bankruptcy trustee shall ordinarily sell the assets of the bankrupt through an auction as specified in Part A of Schedule II.
- (2) The bankruptcy trustee may sell the assets by private sale, in the manner specified in Part B of Schedule II if-
- (a) the asset is perishable in nature;
 - (b) the value of the asset is likely to deteriorate significantly if the sale is delayed; or
 - (c) the selling price of the asset is higher than the reserve price of a failed auction.
- (3) The following persons shall not purchase or acquire any interest in the property of bankrupt, directly or indirectly, without permission of the Adjudicating Authority-
- (a) the bankruptcy trustee or any partner or director of the insolvency professional entity of which the bankruptcy trustee is a partner or director;
 - (b) any professional appointed by the bankruptcy trustee for the bankruptcy process;
 - (c) any creditor or associate of the bankrupt; and (d) any company where the bankrupt or a creditor is a promoter or director.
- (4) The bankruptcy trustee shall not proceed with a sale, if he has reason to believe that there is any collusion amongst any one or more of the following persons: -
- (a) the buyers;
 - (b) the bankrupt;
 - (c) the creditors;
 - (d) associates of the bankrupt or creditors;
 - (e) the corporate debtor; or
 - (f) related party of the corporate debtor,

and shall submit a report to the Adjudicating Authority for appropriate orders.

28. Acquisition, etc., of after acquired property by bankrupt.

- (1) After a notice is given by the bankrupt under sub-section (2) of section 150, he shall not part with any increase in his income or dispose of any property acquired, without the prior permission of the Adjudicating Authority.

- (2) If the bankrupt disposes of property before giving the notice under sub-section (2) of section 150, he shall within seven days from such disposal, disclose to the bankruptcy trustee the relevant details of the person to whom the property has been transferred, and shall also provide any other information which may be necessary to enable the bankruptcy trustee to trace the property and recover it for the purpose of bankruptcy estate.
- (3) Any expense incurred by the bankruptcy trustee in bringing back any amount or acquiring title to the property referred to in sub-regulation (2) shall form part of the bankruptcy process costs.

29. Disclaimer of onerous property.

- (1) The bankruptcy trustee shall notify the bankrupt and the persons interested in the onerous property in respect of the proposed disclaimer, at least seven days prior to serving the notice of disclaimer under sub-section (1) of section 160.
- (2) The notification under sub-regulation (1) shall contain the intention of the bankruptcy trustee to disclaim the property, particulars of the property intended to be disclaimed, and details of the interested persons in such property.
- (3) The notice under sub-section (1) of section 160 shall be filed with the Adjudicating Authority within three days of giving such notice to the persons mentioned therein.
- (4) An application under sub-section (1) of section 163 shall be made within thirty days of the applicant becoming aware of the disclaimer or from the date of the notice of disclaimer under sub-section (1) of section 160, whichever is earlier.

Explanation. – For the purpose of this regulation, a person interested in onerous property means –

- (a) any person who claims an interest in the disclaimed property;
- (b) any person who is under any liability in respect of the onerous property; or
- (c) where the disclaimed property is a dwelling house, any person who is in occupation of or entitled to occupy the dwelling house, on the date of filing of application.

30. Valuation of assets.

- (1) The bankruptcy trustee shall appoint a registered valuer to value the assets, which may or may not form part of the bankrupt's estate, when he is of the opinion that it is necessary or when a resolution to that effect has been passed by the committee.
- (2) The registered valuer appointed under sub-regulation (1) shall submit to the bankruptcy trustee the estimates of the realisable value of the asset computed in accordance with internationally accepted valuation standards, after physical verification of the assets of the bankrupt.
- (3) The bankruptcy trustee may appoint an additional registered valuer, for valuing the assets of the bankrupt if required in the circumstances of the case, who shall independently submit his estimate as per sub-regulation (2).
- (4) In the event an additional registered valuer is appointed under sub-regulation (3), the average of the estimates received from both valuers will be considered to be the value of the assets.

31. Realisation of security interest.

- (1) A secured creditor, who seeks to realise his security, shall intimate the bankruptcy trustee of the price at which he proposes to realise the secured asset.

¹Hkkx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

27

- (2) The bankruptcy trustee shall attempt to identify a buyer willing to purchase the security at a price higher than the price intimated under sub-regulation (1), and the asset shall then be sold to such buyer, if any, at the higher price by the secured creditor.
- (3) Where the secured asset is realised under sub-regulation (2), the cost of identification of the buyer shall form part of bankruptcy process cost.
- (4) If the bankruptcy trustee does not identify a buyer under sub-regulation (2), or the person so identified does not buy the secured asset, the secured creditor may realise the secured asset in the manner it deems fit, but at least at the price intimated under sub-regulation (1) and shall bear the cost of identification of the buyer.
- (5) Where a secured creditor realises his security and the amount realised is in excess of the debts due to the secured creditor, such creditor shall tender such excess to the bankruptcy trustee.

CHAPTER VI

PROCEEDS OF BANKRUPTCY PROCESS AND DISTRIBUTION OF PROCEEDS

32. Bank account for bankruptcy process.

- (1) The bankruptcy trustee shall open a bank account in the name of the bankrupt followed by the words 'in bankruptcy process', in a scheduled bank, for the receipt of all moneys due to the bankrupt.
- (2) The bankruptcy trustee shall deposit in the bank account opened under sub-regulation (1) all moneys, including cheques and demand drafts received by him as the bankruptcy trustee of the bankrupt, and the realisations of each day shall be deposited into the bank account, without any deduction, not later than the next working day.
- (3) The bankruptcy trustee may maintain cash of ten thousand rupees or such higher amount, as may be permitted by the Adjudicating Authority to meet bankruptcy process costs.
- (4) All payments out of the account by the bankruptcy trustee above five thousand rupees shall be made by cheques drawn or online banking transactions against the bank account.

33. Distribution of dividend to claimant of deceased creditor.

- (1) In the event an application is made by a claimant or heir of a deceased creditor for receiving dividend payable to such deceased creditor, the bankruptcy trustee shall satisfy himself as to the claimant's right and title to receive the dividend, and may call for evidence regarding such right or title.
- (2) On being satisfied of the veracity of the claim as per sub-regulation (1), the bankruptcy trustee may apply to the Adjudicating Authority for sanctioning the payment of such dividend or return to the claimant.

34. Distribution of dividend.

- (1) Subject to the provisions of sections 174 and 178, the bankruptcy trustee shall not commence distribution of dividend unless a preliminary report is filed with the Adjudicating Authority.
- (2) The bankruptcy process cost shall be deducted before any dividend is distributed under this regulation.

35. Return of amount.

A creditor shall forthwith return any amount received by him in distribution, which he was not entitled to at the time of distribution, or subsequently.

36. Unclaimed proceeds of bankruptcy or undistributed assets.

- (1) After filing the final report under regulation 11, the bankruptcy trustee shall, within three days from the date of such filing, apply to the Adjudicating Authority for an order to credit to the Insolvency and Bankruptcy Fund formed under the Code, any unclaimed dividends of bankruptcy process or undistributed asset or any other balance amount payable to the creditors, left with him.
- (2) Without prejudice to any penalty that may be imposed by the Board, the bankruptcy trustee shall be liable to pay interest at the rate of twelve percent per annum on the amount retained by him under sub-regulation (1), if he fails to-
 - (a) apply to the Adjudicating Authority within three days from the date of filing;
 - (b) credit to the Fund within three days from the date of order of the Adjudicating Authority.
- (3) The bankruptcy trustee shall, when crediting the amount referred to in sub-regulation (1), furnish to the Board, a statement setting forth the following –
 - (a) the names and last known address of the creditors entitled to the unclaimed dividend or undistributed asset or any other balance;
 - (b) the amount of the unclaimed dividend or any other balance for each creditor under (a);
 - (c) the value of the undistributed assets.
- (4) The bankruptcy trustee shall be entitled to a receipt from the Board for any amount deposited by him under sub-regulation (2), and such receipt shall be proof of credit by him.
- (5) A person claiming to be entitled to any amount paid into the Insolvency and Bankruptcy Fund may apply to the Board for an order for payment of the amount claimed.
- (6) The Board may, if satisfied that the person referred to in sub-regulation (5) is entitled to the whole or any part of the amount claimed, make an order for the payment to that person of the sum due to him, after taking such security from him as it may think fit.
- (7) Any amount paid into the Insolvency and Bankruptcy Fund under sub-regulation (1), which remains unclaimed for a period of fifteen years, shall be liable to be utilised for the purposes of the Insolvency and Bankruptcy Fund.

37. Debt counselling.

Debt counselling in relation to bankruptcy process may be provided to a bankrupt by such person as may be recognised by the Board or the Central Government, as the case may be.

FORMA

WRITTEN CONSENT TO ACT AS BANKRUPTCY TRUSTEE

(Under regulation 3(3) of the Insolvency and Bankruptcy Board of India (Bankruptcy Process for Personal Guarantors to Corporate Debtors) Regulations, 2019)

[Date]

To

The Adjudicating Authority

[Name of Bench]

From

[Name of the Insolvency Professional]

[Registration number of the Insolvency Professional]

[Address of the Insolvency Professional registered with the Board]

Subject: Written consent to act as bankruptcy trustee.

1. I, [name], an insolvency professional enrolled with [name of insolvency professional agency] and registered with the Board, note that I have been proposed to be appointed as bankruptcy trustee for the bankruptcy process of [name of the bankrupt].

2. In accordance with regulation 3(3) of the Insolvency and Bankruptcy Board of India (Bankruptcy Process for Personal Guarantors to Corporate Debtors) Regulations, 2019, I hereby give consent to the proposed appointment.

3. I declare and affirm as under: -

(a) I am registered with the Board as an insolvency professional.

(b) I am not subject to any disciplinary proceedings initiated by the Board or the Insolvency Professional Agency.

(c) I do not suffer from any disability to act as a bankruptcy trustee.

(d) I am eligible to be appointed as bankruptcy trustee of the bankrupt under regulation 3 of the Insolvency and Bankruptcy Board of India (Bankruptcy Process for Personal Guarantors to Corporate Debtors) Regulations, 2019 and other applicable provisions of the Code and regulations.

Hkkx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

29

(e) I shall make the disclosures in accordance with the code of conduct for insolvency professionals as set out in the Insolvency and Bankruptcy Board of India (Insolvency Professionals) Regulations, 2016;

(f) I have the following processes in hand:

Sl. No.	Role as	No. of processes on the date of consent
---------	---------	---

Interim Resolution Professional

2 Resolution Professional of:

a. Corporate debtors

b. Personal guarantors or individuals or partnership firms

3 Liquidator of:

a. Liquidation Process

b. Voluntary Liquidation Process

4 Bankruptcy Trustee

5 Authorised Representative

6 Any other (please state)

Date:

Place:

(Signature of Insolvency Professional)

Registration No.....

FORM B

Form to appoint proxy

(Under regulation 26(2) of the Insolvency and Bankruptcy Board of India (Bankruptcy Process for Personal Guarantors to Corporate Debtors) Regulations, 2019)

Full name of the bankrupt: [Insert matter name / application number for the bankruptcy process]

Full Name of Creditor				
Address	Present	Permanent	Business	
Identification number	Aadhaar Number	PAN	CIN	GSTIN
Email				

I, being [insert name of creditor] holding [insert voting share] of the debt of the bankrupt, hereby appoint:

1.	Full name				
	Address	Present	Permanent	Business	
	Identification Number	Aadhaar Number	PAN	CIN	GSTIN
	E-mail				
	Signature				

or failing him;

2.	Full name				
	Address	Present	Permanent	Business	
	Identification Number	Aadhaar Number	PAN	CIN	GSTIN
	E-mail				
	Signature				

as my proxy to attend and vote for me and on my behalf at the meeting of the committee to be held on [insert date and time of meeting] at [insert venue of the meeting], and at any adjournment thereof in respect of the matters indicated in the notice of the meeting [provide details of the notice], as listed below:

[insert matters as listed in the agenda]

Signed this [insert date] day of [insert month] [insert year]

Signature of creditor:

Signature of proxy:

SCHEDULE I

FEEs OF BANKRUPTCY TRUSTEE

[Under regulation 4(2)]

Amount of realisation in rupees (less bankruptcy process cost)	Percentage of fee on the amount realised			
	in the first six months	in the next three months	in the next three months	thereafter
On the first 25 lakh	10.00	7.50	5.00	3.75
On the next 50 lakh	7.50	5.00	3.75	2.80
On the next 1 crore	5.00	3.75	2.50	1.88
On the next 9 crore	3.75	2.80	1.88	1.41
On the next 40 crore	2.50	1.88	1.25	0.94
On the next 50 crore	1.25	0.94	0.68	0.51
On further sums realised	0.25	0.19	0.13	0.10
Amount of distribution in rupees	Percentage of fee on the amount distributed			
	in the first six months	in the next three months	in the next three months	thereafter
On the first 50 lakh	5.00	3.75	3.00	1.88
On the next 75 lakh	3.75	3.00	1.88	1.41
On the next 1 crore	2.50	1.88	1.25	0.94
On the next 9 crore	1.88	1.40	0.94	0.71
On the next 40 crore	1.25	0.94	0.63	0.47
On the next 50 crore	0.63	0.48	0.34	0.25
On further sums distributed	0.13	0.10	0.06	0.05
1Hkkx IIIµ[k.M 4°	Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k			31

SCHEDULE II

Mode of sale

[Under regulation 27]

PART A. AUCTION

- (1) Where an asset is to be sold through auction, the bankruptcy trustee shall do so in the manner specified herein.
- (2) The bankruptcy trustee shall prepare a sale strategy in writing for the sale of the asset and may take help of marketing professionals if it is required, which shall be submitted to the Adjudicating Authority along with the progress report under regulation 10.
- (3) The marketing strategy may include-
 - (a) releasing advertisements for auction of the asset;
 - (b) preparing information sheets for the asset;
 - (c) preparing a notice of sale; and
 - (d) liaising with agents.
- (4) The bankruptcy trustee shall prepare terms and conditions of sale, including reserve price, earnest money deposit, pre-bid qualification, and time period for full payment.
- (5) The reserve price shall be the value of the asset arrived at in accordance with regulation 30 and such valuation shall not be more than six months old:

Provided that in the event an auction fails at such price, the bankruptcy trustee may, in consultation with the committee, reduce such reserve price up to seventy-five percent of such value to conduct subsequent auctions:

Provided further that in the event of an auction failing in spite of reducing the price up to seventy-five percent, the price may further be reduced with the approval of the committee.

- (6) The bankruptcy trustee shall provide any assistance, if necessary, for the conduct of due diligence by interested buyers.
- (7) The bankruptcy trustee shall sell the assets through an electronic auction on an online portal, or on a portal designated by the Board (if any), where the interested buyers can register, bid and receive confirmation of the acceptance of their bid online.
- (8) The bankruptcy trustee may sell assets through a physical auction, with prior permission of the Adjudicating Authority, if he is of the opinion that it will maximise the realisation from the sale of the assets and is in the best interest of the creditors.
- (9) The bankruptcy trustee may engage the services of qualified professional auctioneers specialising in auctioning the assets, provided that such auctioneer fulfils the requirements in regulation 5.
- (10) The auction shall be transparent, and the highest bid at any given point shall be visible to the other bidders unless the bankruptcy trustee has received permission from the Adjudicating Authority allowing otherwise regarding the visibility of the bid price.
- (11) If required, the bankruptcy trustee may conduct multiple rounds of auctions with a view to maximise the realisation from the sale of assets, and to promote the best interests of the creditors.
- (12) On the close of the auction, the payment schedule shall be communicated to the highest bidder. On payment of the full amount, the bankruptcy trustee shall execute the sale and the asset will be transferred in the manner specified in the terms of the sale.

PART B. PRIVATE SALE

- (1) Where an asset is to be sold through private sale, the bankruptcy trustee shall conduct the sale in the manner specified herein.
- (2) The bankruptcy trustee shall prepare a sale strategy in writing to approach interested buyers for assets to be sold by private sale, which shall be submitted to the Adjudicating Authority along with the progress report under regulation 10.
- (3) Private sale may be conducted through directly liaising with potential buyers or their agents, through retail shops, or through any other means that is likely to maximise the realisations from the sale of assets.
- (4) The completion of sale, and the delivery of the assets shall be as per the terms of sale.

Dr. M. S. SAHOO, Chairperson

[ADVT.-III/4/Exty./299/19]

Uploaded by Dte. of Printing at Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064

and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054. ALOK KUMAR Digitally signed by ALOK KUMAR
Date: 2019.11.22 16:03:43 +05'30'

